

उत्तराखण्ड शासन,  
संख्या--64/XXXVI(1)/2011-19/2000  
देहरादून: दिनांक 06 मई, 2011  
अधिसूचना

प्रकीर्ण

राज्यपाल, मुख्य न्यायाधीश, उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय की सहमति से "उत्तर प्रदेश सार्वजनिक खण्ड अधिनियम, 1904" की धारा 21 संपठित " उत्तर प्रदेश गिराह बन्द और समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1968 " (यथा उत्तराखण्ड में प्रवृत्त) की धारा 5 की उपधारा (2) के अधीन पदतल शक्ति का प्रयोग करके श्री विजयन्त कुमार पन्नार जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पंचम त्वरित न्यायालय, देहरादून को उनके कर्तव्यों के निर्वहन के अतिरिक्त, उक्त अधिनियम के अधीन गठित विशेष न्यायालय, देहरादून के न्यायाधीश पद पर भी नियुक्त करते हैं। पदधारक को इस हेतु विशेष वेतन/अतिरिक्त भत्ता देय नहीं होंगे।

राज्यपाल की आज्ञा से

(प्रेम सिंह खिमात)  
अपर सचिव।

संख्या-- (1)/XXXVI(1)/2011-19/2000-तद्विनांक।

प्रतिलिपि निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तराखण्ड, रुड़की, हरिद्वार को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि उक्त अधिसूचना को असाधारण बजट के विधायी परिशिष्ट भाग-4 खण्ड (ख) (परिनिमित्त आदेश) के आगामी अंक में प्रकाशित करने का कष्ट करें एवं अधिसूचना की 20 प्रतियां इस विभाग को भेजने का कष्ट करें।

आज्ञा से

(प्रमोद सिंह अधिकारी)  
संयुक्त सचिव।

संख्या--64(2)/XXXVI(1)/2011-19/2000-तद्विनांक।

प्रतिलिपि विनिलिखित को सूचनार्थ एवं अपात्रक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महानिदेशक, मा० उत्तराखण्ड, उच्च न्यायालय, नैनीताल।
- 2- जिला न्यायाधीश/जिला मजिस्ट्रेट/परिच पुलिस अधिकार, देहरादून।
- 3- परिच कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- कर्मिक अनुभाग-1/एन०आई०सी०/गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(प्रमोद सिंह अधिकारी)  
संयुक्त सचिव।